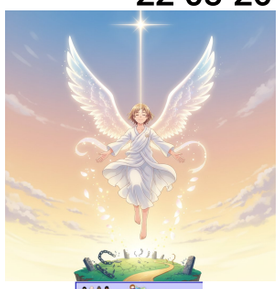

कारण शब्द से मुक्त रह

चलन और चेहरे से मुक्ति देने वाले मुक्तिदाता बनो,

सेवा के उमंग-उत्साह के साथ

सदा बेहद की वैराग्य वृत्ति में रहो

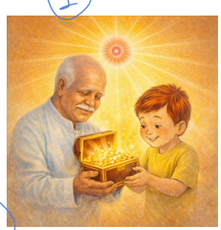

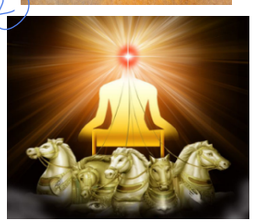

आज बापदादा चारों ओर के बच्चे जो डबल मालिक हैं, उन हर एक बच्चे को देख रहे हैं। एक तो बाप के सर्व खजानों के मालिक हैं और दूसरा स्वराज्य के मालिक हैं। दोनों मालिकपन हर बच्चे को बाप द्वारा मिला हुआ है। बालक भी हैं और मालिक भी हैं। मेरा बाबा कहा और बाप ने भी मेरा बच्चा कहा, तो बालक और मालिक दोनों अनुभव है।

आज बहुत-बहुत बच्चे आये हैं, इस वर्ष का लास्ट टर्न है। तो आज बापदादा ने हर एक का पुरुषार्थ

31-12-2004

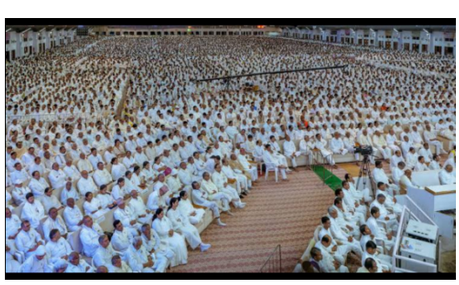

इस वर्ष के आरम्भ से बेहद की वैराग्य वृत्ति इमर्ज करो, यही मुक्तिधाम के गेट की चाबी है

ts: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.

चेक किया। तो बताओ क्या देखा होगा? हर एक अपने से पूछे "मेरा पुरुषार्थ क्या?" बापदादा सभी बच्चों को देख खुश भी हुए लेकिन एक आश बाप की है, बतायें वह क्या है! बाप की आश को पूर्ण करेंगे ना! एक ही आश है, बतायें! हाथ उठाओ जो आश पूर्ण करेंगे! बहुत अच्छा। छोटी सी आश है, वह है आज से एक शब्द बदली करो, कौन सा शब्द? जो बार-बार नीचे ले आता है, वह शब्द है - "कारण"। इस कारण शब्द को परिवर्तन कर निवारण शब्द सदा धारण करो क्योंकि अभी आपकी सेवा भी कौन सी है? विश्व के आत्माओं की, सबकी समस्या का कारण निवारण कर, निवारण करते ही निर्वाणधाम में ले जाना है क्योंकि "आप सभी मुक्तिदाता हो।" तो जब औरों को भी मुक्ति दिलाने वाले हो तो स्वयं भी कारण को निवारण करेंगे तब औरों को मुक्ति दिला सकेंगे, निर्वाण में भेज सकेंगे। तो यह एक शब्द का अन्तर करना मुश्किल है कि सहज है? सोचो।

Swamaan

बापदादा हमसे क्या चाहते है?

आज जो भी आये हैं वा अपने अपने स्थान पर देख रहे हैं, सुन रहे हैं, उन सभी से बापदादा एक शब्द

Call of time/समय की पुकार

पुछो अपने आप से...

का परिवर्तन चाहते हैं क्योंकि कारण ही नीचे ले आता है। कारण में तो आधाकल्प रहे, अभी निवारण करने का समय है। निवारण और निर्वाण, मुक्ति। तो आज बाप को यह देने की हिम्मत है? लास्ट टर्न है ना, सभी उमंग-उत्साह से आये हैं और बापदादा एक एक को मुबारक दे रहे हैं। सोने की, खाना खाने की मुश्किल भी है लेकिन सब स्नेह से, स्नेह के प्लेन ने आप सबको मधुबन में पहुंचा दिया है। बापदादा हर एक का स्नेह देख, हर एक को पदमगुणा दिल का स्नेह दे रहे हैं। लेकिन स्नेह में आप क्या करते हो? जिससे स्नेह होता है ना, उसको स्नेह में सौगात भी दी जाती है। तो आज बापदादा सौगात में यह कारण शब्द लेना चाहते हैं। यह आश बापदादा की पूर्ण करनी है ना! फिर हाथ उठाओ, यहाँ ही छोड़कर जाना है। यहाँ गेट से निकलो तो कारण शब्द समाप्त हो। गलती से आ भी जाए तो बाप को दी हुई चीज़ अमानत है। तो अमानत में क्या किया जाता है? वापस लिया जाता है? तो सभी ने दृढ़ संकल्प किया? किया? हाथ उठाओ फिर से। पीछे वाले हाथ हिलाओ। (आज शान्तिवन में करीब 28-29 हजार भाई बहिनें अन्दर बाहर बैठकर मुरली सुन रहे हैं, सभी हाथ

कारण

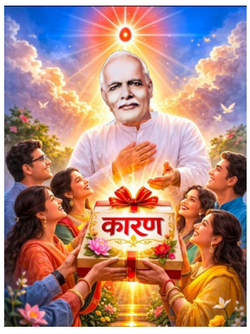

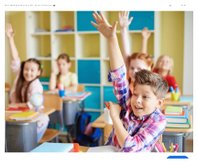

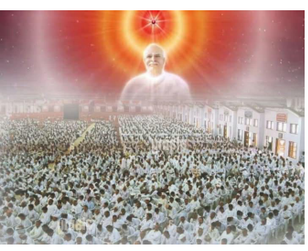

Are you ready? Coming soon...

हिला रहे हैं) अच्छा, बहुत अच्छा, क्योंकि अभी समय अनुसार आपके पास क्यू लगेगी। किसलिए क्यू लगेगी? "हे मुक्तिदाता मुक्ति दो।" तो देने वाले मुक्तिदाता पहले आप इस एक शब्द से मुक्त बनेंगे तब तो मुक्ति दे सकेंगे।

कारण

बापदादा हमसे क्या चाहते है?

हाँ बाबा, हाजीर बाबा, अभी बाबा...

हे महावीर, अब तो जागो....

Always remember this..

बापदादा यही चाहते हैं कि अभी इस वर्ष का होमवर्क यही रहे कि "मुझे मुक्त बन मुक्ति दिलाना है" क्योंकि समस्यायें दिनप्रतिदिन बहुत बढ़नी है। तो समस्या समाधान रूप में बदल जाए। मेहनत और समय समस्या मिटाने में नहीं लगे। "क्या आपको अपने भक्तों की और समय की पुकार सुनाई नहीं देती!" तो अभी समय अनुसार क्या परिवर्तन करना आवश्यक है? क्योंकि अभी हर एक को अनुभवी मूर्त बन कोई न कोई अनुभव कराने की आवश्यकता है। तो बाबा अभी चाहता है कि आप सबका चेहरा, चलन ऐसा स्पष्ट दिखाई दे कि "यह मुक्तिदाता के बच्चे मुक्ति देने वाले हैं।" आपके मस्तक से चमकते हुए सितारे का अनुभव हो। सिर्फ सुनाने से नहीं लेकिन चेहरे से ही अनुभव हो क्योंकि अनुभव नजदीक ले आता है। तो यह

Call of time/समय की पुकार

Not only

But Also

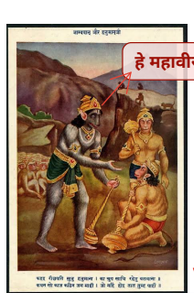

"Information is not knowledge. The Only source of knowledge is experience."
- Albert Einstein

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.

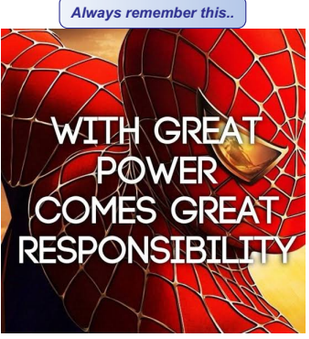

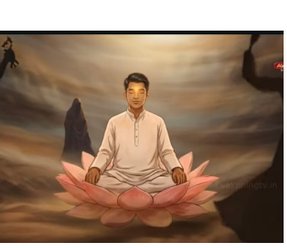

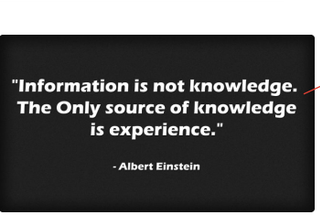

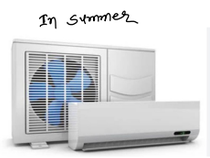

पुछो अपने आप से...

अनुभव चेहरे और चलन से दिखाओ। जैसे देखो साइन्स के साधन अनुभव कराते हैं ना, अभी गर्मी की सीजन है तो गर्मी का और सर्दी का अनुभव करा रहे हैं ना। जब साइन्स के साधन अनुभवी बनाते हैं तो क्या साइलेन्स की पावर, शक्ति का अनुभव नहीं करा सकती! तो बापदादा अभी बच्चों से यही चाहते हैं कि अनुभव की स्थिति में स्थित रह नयनों से, मस्तक से कोई न कोई शक्ति का अनुभव कराओ। सुनी हुई बात, सुनने के समय अच्छी लगती है लेकिन फिर कोई समस्या आती तो भूल भी जाते हैं। लेकिन अनुभव जीवन भर तक भूलता नहीं है।

बापदादा ने एक कारण देखा। रिजल्ट भी देखी, एक रिजल्ट देख बहुत-बहुत मुबारक दी। कौन सी रिजल्ट? आज तक सेवा का उमंग-उत्साह अच्छा है। तो बापदादा मुबारक भी देते हैं, सेवा बढ़ाते भी हैं और प्लैन भी अच्छे बनाते हैं, रिजल्ट भी यथा शक्ति मिलती है लेकिन एक बात अनुभव कराने के लिए अपने में अटेन्शन देना पड़ेगा। जैसे सेवा आपकी अभी प्रसिद्ध होती जाती है। खुश भी होते

Result

Call of time/समय की पुकार

रहते हैं और आजकल इन्ट्रेस्ट भी बढ़ता जाता है। अभी बाकी अनुभव कराने की विधि क्या है? वह है उमंग-उत्साह सहित, जितना उमंग उतना ही समय अनुसार अभी बेहद की वैराग्य वृत्ति भी चाहिए। पुरुषार्थ में कोई समस्या रूप बनता है तो उसका कारण है बेहद के वैराग्य वृत्ति में कमी। अब बेहद का वैराग्य चाहिए। बेहद का वैराग्य सदाकाल चलता है। अगर समय पर होता है तो समय नम्बरवन हो जाता है और आप नम्बर टू में हो जाते हो। समय ने आपको वैराग्य दिलाया। बेहद का वैराग्य सदाकाल होता है। एक तरफ उमंग-उत्साह, खुशी और दूसरे तरफ बेहद का वैराग्य। बेहद का वैराग्य सदा न रहने का कारण? बापदादा ने देखा कि कारण है देह-अभिमान। देह शब्द सब बातों में आता है - जैसे देह के सम्बन्ध, देह के पदार्थ, देह के संस्कार, देह शब्द सबमें आता है और विशेष देह-अभिमान किस बात में आता है, जो देही-अभिमानी से देह-अभिमान में ले आता है, वह अब तक बापदादा ने चेक किया कि मूल कारण पुराने संस्कार नीचे ले आते हैं। संस्कार मिटाये हैं लेकिन कोई न कोई संस्कार नेचर के रूप में अभी भी काम कर लेता है। जैसे देह-अभिमान की नेचर नेचुरल हो गई है, ऐसे देही-अभिमानी की नेचर

Point to be Noted

Need of Hour

m.m.m....imp.

Point to ponder deeply...

Note it down

नेचुरल नहीं हुई है। कहते हैं हमने खत्म किया है लेकिन एकदम बीज को भस्म नहीं किया है। इसलिए समय आने पर फिर वह देहभान के संस्कार इमर्ज हो जाते हैं। तो अभी आवश्यकता है इस देह भान की नेचर को पावरफुल देही-अभिमानी की शक्ति से वंश सहित नाश करने की, क्योंकि बच्चे कहते हैं चाहते नहीं हैं लेकिन कभी कभी निकल आता है। क्यों निकलता? अंश है तो वंश होके निकल जाता। तो अभी आवश्यकता है शक्ति स्वरूप बनने की, आधार है अपने आपको चेक करो कि "किसी भी स्वरूप में अंशमात्र भी पुराना देह भान का संस्कार रहा हुआ तो नहीं है?" और वह खत्म होगा बेहद की वैराग्य वृत्ति से। सर्विस देख सुन बापदादा खुश है लेकिन अब बाप की यही चाहना है कि जैसे सर्विस की फलक, झलक अब लोगों को दिखाई देती है। अनुभव होता है सेवा का, ऐसे बेहद की वैराग्य वृत्ति का प्रभाव हो क्योंकि आजकल सेवा द्वारा आपकी प्रशन्सा बढ़ेगी, आपकी प्रकृति दासी होगी। अनुभव करेंगे साधन बढ़ेंगे लेकिन बेहद की वैराग्य वृत्ति से साधन और साधना का बैलेन्स रहेगा। जैसे आप लोग प्रवृत्ति में रहने वालों को दृष्टान्त देते हो कि सब कुछ करते कर्मयोगी कमल पुष्प के समान रहो।

Call of time/समय की पुकार

Here is the Key

Point to be Noted

So, don't be trapped

Need of Hour

We have to be this

ऐसे आप सभी को भी सेवा करते, साधन मिलते, साधना और साधन का बैलेन्स रहेगा। तो आजकल एडीशन सेवा के साथ बेहद की वैराग्य वृत्ति भी आवश्यक है। चलते फिरते भी अनुभव करें कि "यह विशेष आत्मायें हैं।" सिर्फ (Not only) योग में बैठने के टाइम नहीं, भाषण करने के टाइम नहीं लेकिन (but Also) चलते फिरते भी आपके मस्तक से (1) शान्ति, (2) शक्ति, (3) खुशी की अनुभूति हो क्योंकि समय प्रति समय अभी समय बदलता जायेगा।

Are you ready?

For Upcoming toughest Papers...?

Take it Seriously..

तो बापदादा ने समय प्रति समय इशारा तो दे दिया है लेकिन आज विशेष बापदादा एक तो बेहद के वैराग्य तरफ इशारा दे रहा है, इसके लिए अभी अपने को चेक करके देही-अभिमानी बनने में जो देह-अभिमान का विघ्न है, अनेक प्रकार के देह-अभिमान का अनुभव है, इसका परिवर्तन करो। और दूसरी बात बहुत समय का भी अपना सोचो। बहुत समय का अभ्यास चाहिए। बहुत समय पुरुषार्थ, बहुत समय का प्रालब्ध। अगर अभी बहुतकाल का अटेन्शन कम देंगे तो अन्तिम काल में बहुतकाल जमा नहीं कर सकेंगे। टूलेट का बोर्ड

Take it (very very very) Seriously..

Simple Math..

इसको साधारण बात नही समझो

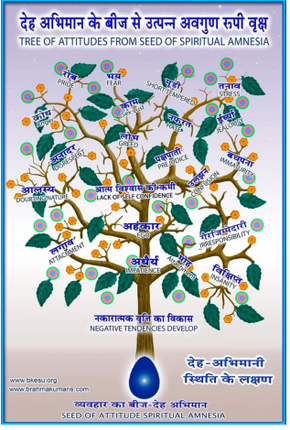

Here is the Fault

लग जायेगा इसलिए बापदादा आज दूसरे वर्ष के लिए होमवर्क दे रहे हैं। यह देह-अभिमान सब समस्याओं का कारण बनता है और फिर बच्चे रमणीक हैं ना, तो बाप को भी दिलासा दिलाते हैं कि समय पर हम ठीक हो जायेंगे। बापदादा कहते हैं कि क्या समय आपका टीचर है? समय पर ठीक हो जायेंगे तो आपका टीचर कौन हुआ? आपकी क्रियेशन समय आपका टीचर हो, यह अच्छा लगेगा? इसलिए समय को आपको नजदीक लाना है। आप समय को नजदीक लाने वाले हैं। समय पर रहने वाले नहीं। समय को टीचर नहीं बनाओ।

No, Sweet Baba ; You are (the World Almighty) my teacher.

पुछो अपने आप से...

m.m.m....imp.

तो बापदादा आज यही बार-बार इशारा दे रहे हैं कि स्वयं को चेक करो, बार-बार चेक करो और परिवर्तन करो। बहुतकाल का परिवर्तन बहुतकाल के प्रालब्ध का अधिकारी बनाता है। तो कोई बच्चा चाहे अब तक ढीला-ढाला पुरुषार्थी हो लेकिन लास्ट नम्बर वाले बच्चे से भी बाप का स्नेह है। स्नेह है तब तो बाप का बना है, बाप को पहचाना है, मेरा बाबा तो कहता है इसलिए समय पर नहीं छोड़ो। समय आयेगा नहीं, हमको सम्पूर्णता का

Again & Again

Always remember this..

रहमदिल मेरा बाबा

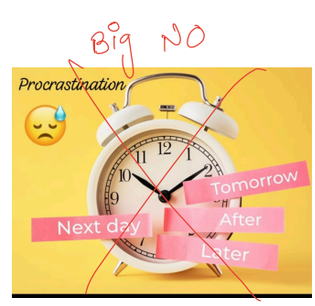

Very Subtle Point to understand

समय समीप लाना है। बापदादा के विश्व परिवर्तन के कार्य के आप सभी साथी हो। अकेला बाप कार्य नहीं कर सकता, बच्चों का साथ है। बाप तो कहते हैं पहले बच्चे, आगे बच्चे। तो अभी अगर दूसरे वर्ष में आना ही है तो यह होम वर्क करके रखेंगे! करेंगे? हाँ, हाथ उठाओ। अच्छा। पीछे वाले भी हाथ उठा रहे हैं।

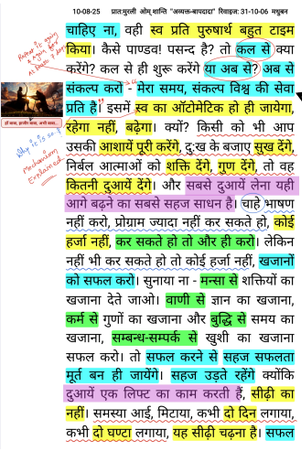

चाहिए ना, वही स्व प्रति पुरुषार्थ बहुत टाइम किया। कैसे पाण्डव! पसन्द है? तो कल से क्या करेंगे? कल से ही शुरू करेंगे या अब से? अब से संकल्प करो - मेरा समय, संकल्प विश्व की सेवा प्रति है। इसमें स्व का ऑटोमेटिक हो ही जायेगा, रहेगा नहीं, बढ़ेगा। क्यों? किसी को भी आप उसकी आशायें पूरी करेंगे, दु:ख के बजाए सुख देंगे, निर्बल आत्माओं को शक्ति देंगे, गुण देंगे, तो वह कितनी दुआयें देंगे। और सबसे दुआयें लेना यही आगे बढ़ने का सबसे सहज साधन है। चाहे भाषण नहीं करो, प्रोग्राम ज्यादा नहीं कर सकते हो, कोई हर्जा नहीं, कर सकते हो तो और ही करो। लेकिन नहीं भी कर सकते हो तो कोई हर्जा नहीं, खजानों को सफल करो। सुनाया ना - मन्सा से शक्तियों का खजाना देते जाओ। वाणी से ज्ञान का खजाना, कर्म से गुणों का खजाना और बुद्धि से समय का खजाना, सम्बन्ध-सम्पर्क से खुशी का खजाना सफल करो। तो सफल करने से सहज सफलता मूर्त बन ही जायेंगे। सहज उड़ते रहेंगे क्योंकि दुआयें एक लिफ्ट का काम करती हैं, सीढ़ी का नहीं। समस्या आई, मिटाया, कभी दो दिन लगाया, कभी दो घण्टा लगाया, यह सीढ़ी चढ़ना है। सफल

देखो, आज संख्या बढ़ गई है तो बापदादा ने बच्ची को इशारा दिया कि चक्कर लगाके देखकर आओ, कहाँ-कहाँ सोये हैं, कैसे लाइन में खाते हैं। लम्बी लाइन। लेकिन सबके चेहरे पर खुशी है - मधुबन में तो हैं। लेकिन यह खुशी मधुबन में ही छोड़के नहीं जाना, साथ ले जाना। बापदादा ने वतन में बैठे आप सबके सोने का, खाना खाने की क्यू का नज़ारा देखा। बाप-दादा को ऐसा संकल्प होता कि अभी अभी रजाईयों की, गदेलों की बरसात पड़ जाए। परन्तु यह भी मौजों का मेला है और अच्छी तरह से बापदादा ने देखा, जहाँ भी मिला, जैसे भी मिला है, सब मैजारिटी अच्छी तरह से पास हैं।

कितना मीठा, कितना प्यारा शिव भोला भगवान...
हमने देखा , हमने पाया शिव भोला भगवान...

ताली बजाओ। लेकिन यह होमवर्क भूलना नहीं, इसमें ताली नहीं बजाते। बापदादा और विशेष ब्रह्मा बाप हमेशा बच्चों को मधुबन का श्रृंगार कहते हैं। तो आप सब मधुबन में आये, बापदादा भी साकार रूप से इतने परिवार को देख खुश है। सहन करना पड़ा है, लेकिन यह सहन सदा के लिए सहनशक्ति बढ़ायेगा। सभी खुश हो ना! तकलीफ तो नहीं हुई। और देखो इतने परिवार में पानी फिर भी मिलता रहा है। सभी ने पानी यूज़ किया ना! थोड़ा कम है तो ध्यान रखना पड़ेगा परन्तु आजकल गांव में पानी पीने का भी नहीं मिलता, यहाँ तो आपको कपड़े धोने का भी पानी मिला। और इतना परिवार देख खुशी भी होती है। सारे कल्प में बापदादा को यह फखुर है कि इतना बड़ा परिवार किसी का नहीं है। अच्छा।

आज बापदादा टीचर्स को एक विशेष सेवा याद दिलाता है, जो होमवर्क करना। टीचर्स के लिए होमवर्क है कि सदा टीचर अपने को बापदादा के सच्चे साथी, समीप के साथी अपने द्वारा बाप को प्रत्यक्ष करने वाली, कोई भी आपको देखे तो इन्हों

को बनाने वाला कौन! इन्हों का भी बाप, शिक्षक, सतगुरू कौन! आपको नहीं देखे, बाप को देखे। इसी स्वमान में यह 6-7 मास जो मिलना है, यह होमवर्क करना फिर बापदादा पूछेगा कि हर एक ने कितने परसेन्ट में किया? ज्यादा समाचार नहीं पूछेगा, कितनी परसेन्ट यह होमवर्क किया? आप नहीं दिखाई दे, बाप दिखाई दे। इसमें सब धारणा आ जाती है। मधुबन वालों को भी बापदादा यादप्यार तो दे ही रहे हैं। लेकिन मधुबन वाले भी चारों तरफ के यह समझें कि मधुबन का एक-एक रत्न विशेष बाप को प्रत्यक्ष करने के निमित्त है। तो सारा समय मधुबन वाले ऐसे मन्सा सेवा, कर्मणा सेवा और सबको बाप समान बनाने का एक्जैम्पुल बनके दिखायें। तो मधुबन वालों को यह रिजल्ट देनी है कि बाप समान बनने का नक्शा अपने में दिखाया? हर एक के मुख से निकले वाह बाबा के बच्चे वाह! और आप सभी क्या करेंगे? आप सभी अपने को नम्बरवार नहीं लेकिन नम्बरवन बनने का एक्जैम्पुल बनके दिखाना। नम्बरवार बनने में मजा नहीं, बनना है तो नम्बरवन। नम्बरवार बनना क्या बड़ी बात! तो सभी विन और वन यह रिजल्ट सुनाना। अच्छा।

That's All

Win & One

समझा?

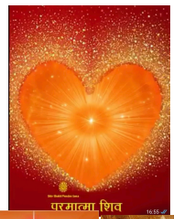

सभी तरफ के बापदादा के दिलतख्तनशीन और भृकुटी के तख्तनशीन और भविष्य के भी राज्य तख्तनशीन ऐसे बापदादा के सिकीलधे, पदम पदमगुणा भाग्यशाली बच्चों को सदा अपने नयनों द्वारा रूहानियत का अनुभव कराने वाले और चेहरे द्वारा सदा खुशकिस्मत, मन सदा खुशी में नाचता रहे, कोई भी सामने आवे, अनुभव करे कि इन जैसी खुशी कहाँ भी नहीं है और सबक (पाठ) सीखके जायें। ऐसे हर बाप के बच्चे अपने द्वारा बाप का, मुख द्वारा बाप का परिचय देते हो लेकिन नयनों और चेहरे द्वारा बाप का साक्षात्कार कराने वाले, ऐसे चारों ओर के बच्चों को, जिन्होंने पत्र भेजे हैं, ईमेल किया है, सभी के बाप-दादा के पास पहुंचे हैं, जिस समय आपने संकल्प किया, उसी समय बाप के पास पहुंच गया इसीलिए बहुत-बहुत मुबारक हो। देश विदेश के सब बच्चों को बाप दिल के स्नेह का रेसपान्ड दे रहे हैं। तो चारों ओर के बच्चों को बापदादा पदमगुणा दिल का दुलार, दिल का प्यार दे रहे हैं और सभी को नमस्ते कह रहे हैं।

Points: ज्ञान य… …या M.imp.

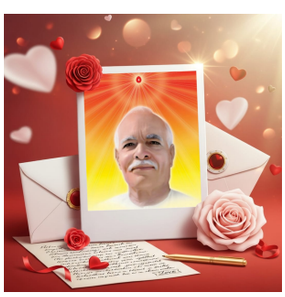

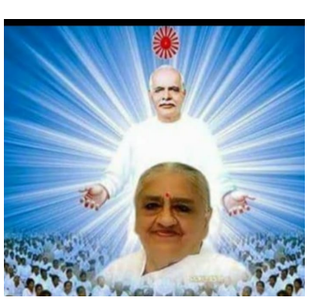

वरदान:- कर्म करते हुए कर्म के बन्धन से मुक्त रहने वाले सहजयोगी स्वत: योगी भव

जो महावीर बच्चे हैं उन्हें साकारी दुनिया की कोई भी आकर्षण अपनी तरफ आकर्षित नहीं कर सकती। वे स्वयं को एक सेकण्ड में न्यारा और बाप का प्यारा बना सकते हैं।

डायरेक्शन मिलते ही शरीर से परे अशरीरी, आत्म-अभिमानी, बन्धन-मुक्त, योगयुक्त स्थिति का अनुभव करने वाले ही सहजयोगी, स्वत: योगी, सदा योगी, कर्मयोगी और श्रेष्ठ योगी हैं।

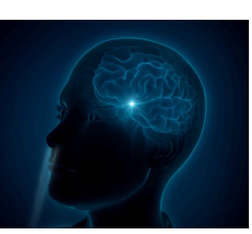

वह जब चाहें, जितना समय चाहें अपने संकल्प, श्वांस को एक प्राणेश्वर बाप की याद में स्थित कर सकते हैं।

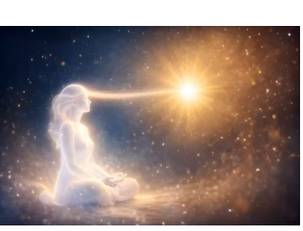

स्लोगन: एकरस स्थिति के श्रेष्ठ आसन पर विराजमान रहना - यही तपस्वी आत्मा की निशानी है।

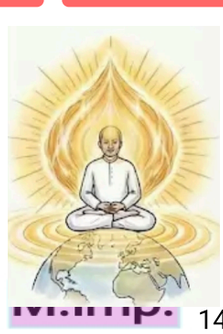

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा

Pinnacle of Focus

ये अव्यक्त इशारे-

"निश्चय के फाउण्डेशन को मजबूत कर सदा निर्भय और निश्चिंत रहो"

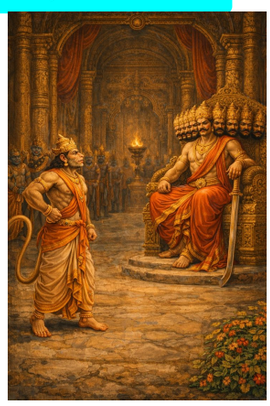

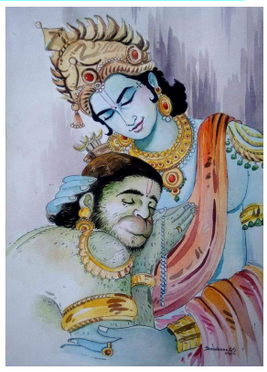

माया से बॉक्सिंग: स्मृति से जीत, विस्मृति से हार।

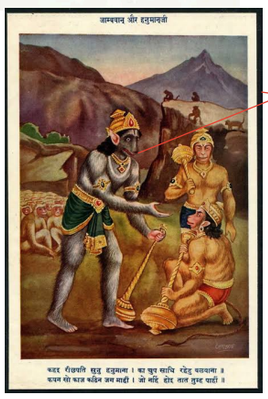

66

यह निश्चय व स्मृति और समर्थी रखो कि अनेक बार बाप के बने हैं व मायाजीत बने हैं, तो अब बनना क्या मुश्किल है!

99

क्या यह स्मृति स्पष्ट नहीं है कि मुझ श्रेष्ठ आत्मा ने विजयी बनने का पार्ट अनेक बार बजाया है?

अगर स्मृति स्पष्ट नहीं है तो इससे सिद्ध है कि बाप के आगे स्वयं को स्पष्ट नहीं किया है।

Most imp

For Self Checking

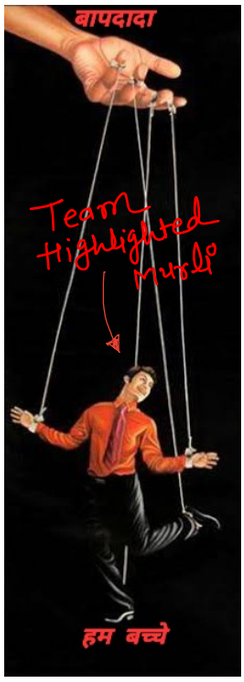

ओम शांति,
30 मार्च 2026 को इस हाइलाइटेड मुरली की सेवा को 6 साल पूरे हो रहे हैं (इसको 30/3/2020 को शुरू किया था) तो इस उपलक्ष में यहां पर हम आपके साथ एक गूगल फॉर्म शेयर कर रहे हैं जिसके द्वारा ये जान पाएंगे कि...

1. आपको Highlighted मुरली से क्या प्राप्ति हो रही है एवं आप इसको अपने पुरुषार्थ में कैसे उपयोग में लेते है ?(अनुभव)
2. आप Highlighted मुरली में क्या कुछ नवीनता चाहते हैं? (feedback)
3. हम ये जान पाए कि देश-विदेश में Highlighted मुरली की पहुंच कहां तक है? (Reach of मुरली)

आपको अगर कोई शिकायत हो तो भी जरूर लिखे। हम उसे solve करने का प्रयास करेंगे।

कृपया अपने सुझाव एवं प्रतिभाव अवश्य साझा करें, आपके सुजाव एवं प्रतिभाव हमे आगे के लिए पथ प्रदर्शन में सहयोगी बनते है। (क्योंकि पहले भी आप श्रेष्ठ आत्माओं के feedback के आधार से ही gradually बहुत सारे changes किए हुए है)

आपके द्वारा भेजे गए Feedback में से कुछ एक Feedback को यहाँ पर साझा करेंगे, जिससे कि दूसरों को अपने पुरुषार्थ में प्रेरणा व बल मिल सकें ।

Link of Google Form ===> ***Click***

शुक्रिया, ओम शांती।

Team Highlighted Murli

पिछले दो चार दिनों में जो अनुभव प्राप्त हुए है उन में से कुछ अनुभव यहां पर रख रहे है
जो आपको उमंग व खुशी देंगे एवं
उनके अनुभवों से आपको आपके पुरुषार्थ के लिए नए आयाम मिलेंगे

सबसे खास अनुभव जो आया वो है हम ब्राह्मणों का सबसे अधिक प्यारा स्थान "मधुबन"।
की जहां स्वयं भगवान ब्रह्मा तन में पधारे एवं श्रृष्टि के आदि पिता हमारे मीठे प्यारे ब्रह्माबाबा ने अपना सर्वस्व दधीचि ऋषि बनके विश्व सेवा अर्थ लगाया।

उस परम पावन भूमि से निरंतर भगवान की पालना में पल रही एक महारथी आत्माने, कुछ साधारण प्यादे समान आत्माओं का उमंग उत्साह बढ़ाया है। ये अपने आप में वंडरफुल बात है जो कि परमात्म पालना का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

जैसे जिस पेड़ पर ज्यादा फल लगे होते हैं तो वह स्वतः ही झुक जाता हैं,
वैसे ही हमारे मधुबन निवासी भाई बहने जो कि स्वयं भगवान की पालना में पल रहे हैं वह एक-एक महान आत्मा फलों से लदे हुए उस पेड़ के समान है।

और जैसे मीठे ब्रह्मा बाबा बच्चों को अपने से आगे बढ़ाते थे, वैसे ही follow father करते औरों को आगे बढ़ाने में अपना सर्वस्व लगा रहे हैं।

आदरणीय भाईजी,
बापदादा के instrument हम सभी हाइलाइटेड मुरली टीम के सदस्य आपने जो उमंग उत्साह बढ़ाया उसके लिए तहे दिल से शुक्रगुजार है और उसको बाबा के चरणों में समर्पित करते है। साथ ही आपकी विनम्रता एवं निरहंकारिता को सादर वंदन करते हैं।

ॐ शांति

Name	BK Jitu Bhai, Youth wing
समर्पित?	Yes
From:	मधुबन
Age of body	51
ज्ञान में	47 years
HLM कब से	3 years
Experience:	You are doing very good sewa. It is very useful to understand murli with baba's original view (Bhaav), very helpful for explaining or easy to read for others. if possible please send quiz questions of same murli for churming and to create interest within youth.

आप सभी महानतम आत्माओं से एक विनम्र निवेदन है कि जब भी आप अपना अनुभव साझा करें तो उसमें कृपा करके Team HLM (टीम हाइलाइटेड मुरली) का किसी भी प्रकार से धन्यवाद ना करें क्योंकि यह सेवा मीठे बाप दादा ही करवा रहे हैं तो आप को जो भी धन्यवाद करना है वह direct मीठे बाप दादा का ही करें।

क्योंकि यह अमूल्य और अति गुह्य ज्ञान साथ ही इसकी गहराई को समझने के लिए दिव्य बुद्धि - ये सब कुछ उस दाता की ही देन है तो महिमा भी उसी की होनी चाहिए।

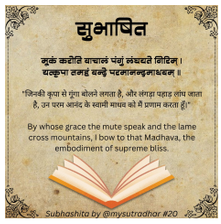

आदरणीय बीके डॉ. सचिन भाईजी ने एक क्लास में बताया था कि बाबा जैसे की टंकी है और हम सब है नल। तो महिमा उस टंकी (बाबा) की होनी चाहिए न कि नल की।
वो चाहता तो किसी भी और नल को निमित्त बनाकर ज्ञान रूपी पानी को आप तक पहुंचा सकते थे लेकिन उन्होंने इस किस्से में Team HLM को निमित्त बनाया है।

तो आप सभी दिव्यबुद्धि के धनी आत्माएं जिन्होंने गुप्त रूप में आए भगवान को पहचान लिया है उन्हों से विनम्र निवेदन है कि इस बात को भी अपनी दिव्य बुद्धि में रखकर उस सर्वशक्तिमान बाप दादा का ही शुक्रिया अदा करेंगे।

और जब ऐसा होगा तो Team HLM को जो खुशी होगी उसको यहां शब्दों में बया नहीं किया जा सकता।

ॐ शांति

Other Recent Experiences

Name	Bk Kantibhai
समर्पित?	No
From:	Gandhinagar [gujarat]
Age of body	70 Years
ज्ञान में	17 years
HLM कब से	1 Year
Experience:	When I was in Australia, I have started study highlighted murli. it impact on brain due to pictures. It creates new pathways in brain. Good idea Thanks Omshanti

Name	BK Praveena
समर्पित?	
From:	Bharatpur, Rajasthan
Age of body	37 years
ज्ञान में	22 years
HLM कब से	1 year
Experience:	हाईलाइट मुरली बहुत ही अच्छी सुंदर तरीके से समझ आ जाती चित्रों के द्वारा पूरी बुद्धि में फिट हो जाती है भूलती नहीं है मुरली का पूरा गीत मिलता है अगर कोई कहानी कहावत आती है तो उसका भी स्पष्ट जबाब मिलता है आप सभी का बहुत बहुत शुक्रिया

Name	MInakshi
समर्पित?	
From:	faridabad, haryana
Age of body	45 years
ज्ञान में	12 but not regular
HLM कब से	2 years
Experience:	due to reading highligted murli & after that quiz murli points yad rahte or daily life mai use karne ki koshis karti hu , bhut hi khushi hoti murli parkar as ache se clear hoti hai , baba ka gyan kisi ko samjha bhi pati hu as khud ko ache se clarity hoti hai , thanks Baba thanks to all sewadari --its a big big seva

Name	BK Meena Bharti
समर्पित?	No
From:	Ghumarwin Himachal Pradesh
Age of body	50
ज्ञान में	24 years
HLM कब से	5 years
Experience:	ऊं शांति दिव्य भ्राता जी हाईलाइटिड मुरली हमारे लिए बहुत बहुत मददगार साबित हुई है। हम गीता पाठशाला चलाते हैं और रोज मुरली के रंग बिरंगे अण्डरलाइन किए हुए महावाक्यों से सभी भाई बहनों को समझने में बहुत मदद मिलती है। जैसे बना बनाया मक्खन खाने को मिल रहा है। हाइलाइटिड महावाक्यों के साथ जो रिलेटिड चित्र दिए होते हैं वो तो ये सेवा करने वाले सेवाधारी की कमाल होती है इसके लिए बाबा और हम सब की बहुत बहुत बहुत दुआएं हैं आपको। इन चित्रों के आधार पर ही हम क्लास में मुरली का रिवीजन करते हैं सिर्फ चित्र देखकर मुरली प्वाइंट पूछा जाता है। भाई बहनें चित्र बना कर भी लाते हैं इससे ।वैरायटी के साथ मुरली प्वाइंट याद रहते हैं। हम सोचते हैं कि कितना बाबा के हर महावाक्य को आत्मसात किया होगा जो सहज समझाने की सेवा कर रहे हैं क्योंकि यह सेवा बहुत गहराई से मुरली को समझकर ही हो सकती है। इसलिए बहुत बहुत बहुत साधुवाद और धन्यवाद !!

Name	Madan Nagpal
समर्पित?	No
From:	Delhi/Faridabad Haryana
Age of body	71 years 6 months
ज्ञान में	11 years
HLM कब से	Since the time you started this
Experience:	Appreciate the hard work you're putting in.

Name	Ruby
समर्पित?	Adhr kumari
From:	Delhi
Age of body	45 years
ज्ञान में	6 years
HLM कब से	1 month se
Experience:	Maine aaj tak itni murlis read ki pr jo highlights walo ne samzya vo kisi ne nhi bahut deeply samzya

Name	Kiran Dua
समर्पित?	No
From:	Ludhiana Punjab
Age of body	50 yr
ज्ञान में	5-6
HLM कब से	1yr
Experience:	Highlighted murli se bhut hi genre anubhav hote hai kyunki yaad Rakhee ka bhut hi asaan method hota h k jab hum dekhte h to isme to har ek point ko poora dikhaya jata samjhaya jata h.isme main jo h k koi bhi kahani hai usko poora detail ke sath likha hota jaise ROOP BASANT etc ese samajh r m or easy ho jata pointed so Thanku so much aapka jo itna easy method se sab clear krte

Name	Shilpa M narqle
समर्पित?	No, Teacher
From:	Pune Maharashtra
Age of body	47
ज्ञान में	7
HLM कब से	2
Experience:	It is easy to understand because of pictures Daily I do seva of murli reading in center Because of this highlighted murali I can explain easily.

Name	SHANKAREGOWDA B M
समर्पित?	No , Self employed
From:	kolar Karnataka
Age of body	42
ज्ञान में	10 yrs
HLM कब से	3 yrs
Experience:	Its really a great sewa. I say thank you for your team , because this highlighted murali making me as true child of shiv baba . Reading one time this highlighted murali gives me a positive energy equal to when i listen in the centre.

Name	BK Sushil Panchal
समर्पित?	Healthcare- Sales and Marketing
From:	Pune Maharashtra
Age of body	39
ज्ञान में	30+
HLM कब से	6 years but not regularly
Experience:	One of the Best and very effective way to Study and Remember Baba's Murali. Points are segregated as per 4 subjects and Pictorial explanation is very useful to remember Murali for whole day. extra Information such as Shloka and pictures are great help to Grasp baba's particular point. I always wonder daily How many hours of efforts you must be putting for study, editing, compiling this Murali. I also eager to know who is doing this Seva!!! Thank you for Your Consistent efforts and Service Brother/Sister. Om Shanti

Name	Madhuri Bharat Chaubey
समर्पित?	MBBS DA (doctor by profession)
From:	Thane mumbai Maharashtra
Age of body	63 yr
ज्ञान में	25 yr
HLM कब से	6 yr , from the first day you started it
Experience:	Highlighted murli is like 3 D Movie , ek ek BABA k sabd hamesha k liye chitra sahit dil aur dimag me Ankit ho jate hain , fir ap din me ankhe band kark ya khuli rakh kar bhi visualize kar sakte hain Thankyou team , dil se ap BABA k bachchon ko sukria, and love you BABA 💗

Name	Geethanjali
समर्पित?	
From:	Mysore Karnataka
Age of body	31
ज्ञान में	10 years
HLM कब से	5 months
Experience:	Highlight muruli really makes me connect to baba because of clarity , It makes me easy to understand and experience each line without any efforts due to pictures, hyperlink,example of bhakti,songs, Everyday I read Highlight muruli, thanks a lot it's wonderful seva

The Purpose of Sharing these Experiences →

From murli 15/03/2026

जाती है? क्योंकि अथॉरिटीज़ में सबसे ज्यादा अनुभव की अथॉरिटी गाई जाती है। तो हर एक को

अनुभव नजदीक ले आता है।

Name	Bk shobha
समर्पित?	House wife
From:	Ghaziabad Uttar Pradesh
Age of body	49
ज्ञान में	10year
HLM कब से	5 month
Experience:	Highlighted murli ke karan mai murli ekagrata aur ramnikta se padhti hu picture murli acording kamal ke hote hai dil se kitna n sukriya karu!

Name	Bhavna Saini
समर्पित?	No, IT Engineer
From:	Panchkula Haryana
Age of body	35
ज्ञान में	1.8 years
HLM कब से	6 months
Experience:	I used to listen MURLI online. But when I came across highlighted MURLI it has benefited me in many ways - it has become very convenient for me to remember points by memorising pictures shared in MURLI or text references which later becomes easy to churn points during day, whilst working, easy to follow and helps in preparing my night chart as well . Those pictures shared in MURLI itself gives me a real feeling all together like I am a DIETY , I am in HEAVEN, I am in PARAMDHAM.

Name	Shobhit Kumar Srivastava
समर्पित?	IT proffession
From:	Gurugram Haryana
Age of body	36
ज्ञान में	1 Year
HLM कब से	2 weeks
Experience:	It's well elaborated and self explanatory. It really help in understanding the difficult words by the clear explanation and the intuitive pictorization.

Name	santhoshi
समर्पित?	No; Software Engineer
From:	Bangalore
Age of body	37
ज्ञान में	5
HLM कब से	1
Experience:	Pictures in the highlighted murli helps to remember gyan points easily when compared to reading regular murli. Even the explaination of some deep points is very helpful

Name	Dheeraj Kumar
समर्पित?	No
From:	Lucknow Uttar Pradesh
Age of body	31
ज्ञान में	3.5 years
HLM कब से	5 months
Experience:	I like highlighted murli specially those pictures related to the particular point of line in murli..and yes those stories related to some idioms or phrases.. like merua maut maluka shikar..that makes murli more understanding and clarity in mind

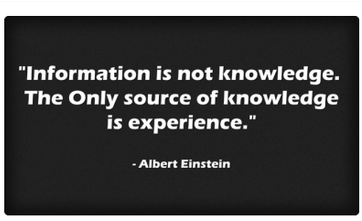

Name	ब्रह्माकुमार गोकुल
समर्पित?	No (Govt job)
From:	Amravati, Maharashtra
Age of body	37
ज्ञान में	6
HLM कब से	1 year
Experience:	ओम् शांति, हम ज्ञान में आये तब कोरोना काल चल रहा था, हमारा शुरुवाती पुरुषार्थ ऑनलाईन ही था। लेकिन ज्ञान मुरली के बहुत सारे महावाक्य हमें समझ में नहीं आते थे। हम जहां रहते थे वहां नजदीक सेंटर भी नहीं था। देरी से ज्ञान में आने से हमारे मन में बहुत उत्साह रहता था, लेकिन हम मुरली को ठीक से समझ नहीं सकते थे इसलिए थोड़ा उदास रहते थे। फिर तिन साल बाद २०२४ में एक बार अचानक हाईलाइटेड मुरली हमें कीसी वाट्सऐप ग्रुप में मिली, जैसे ही हमने पढ़ी और चित्र देखकर बाबा की ज्ञानयुक्त राजयुक्त बातें क्लियर समझ आने लगी , लेकिन उस ग्रुप में रोजाना वह मुरली नहीं मिलती थी अब भी नहीं मिलती, लेकिन जब भी मिलती हम बड़े उत्साह से पढ़ते रहते थे, हाइलाइटेड मुरली के कारण ही हमारे ज्ञान में, योग में, पुरुषार्थ में सब बातों में फायदा हुआ है।अब हमें बाबा की बहुत सी बातें समझ आने लगी है, इसमें हमें मुख्य सहायक हाइलाइटेड मुरली ही हुई है। आपका और आपकी टिम का तहे दिल से शुक्रिया। ओम् शांति 🇲🇰

Double foreigners

Name	Reenaa Saawhney
समर्पित?	No
From:	Canada ; (Rohtak Haryana, India)
Age of body	58 year
ज्ञान में	I did Rajyoga meditation course in 2018 but started practicing since 2020 so you can say for 6 years.
HLM कब से	1 year
Experience:	Thanks to the team for taking out their time and putting their conscious efforts in highlighting the murli. It makes it so easier to understand murli in all the four subjects. Baba bless you all🙏

Name	Surbhi
समर्पित?	Not physically but mentally 😊
From:	Dubai UAE
Age of body	32
ज्ञान में	5 years
HLM कब से	3years
Experience:	1. Clarity achi milti hai, 2. Normally pdhne ya sunne me Koi imp point ya line skip ho jati h, to wo HM me clear ho jati h, emphasise kiya jata hai ki baba kya kehna chah rhe the or kis rishte se wo bat kahi. 3. Point search krna b easy ho jata h images se, ki konsa pt kb konse page pr aya tha agr use dubara padhna ho to. 4. Points yad krne me bhut bhut help milti hai. 5. Baba se pyar or jyada feel hota h, bar bar unki or adiratno ki photo dekhne ko milti h chitra revise hote rhte hai. 6. Chitro m b likhai hoti h ki kha focus krna hota hai, kuch pix kai bar dekhi hui hoti h, tb b HM me pahli bar notice hui ki ye b tha isme..

Name	Mayuri
समर्पित?	
From:	Toronto Canada
Age of body	60
ज्ञान में	5 years
HLM कब से	3 Years
Experience:	Om Shanti! A big thank you to the highlighted Murli Team! The way you've emphasized the key points with visuals makes Baba's directions feel incredibly simple and direct. It has saved me time and provided a clear roadmap for my dharna (practice). Very much appreciated! Matter of fact: Highlighted Murli allows focus. It helps the mind stay centered on the most "elevated" point. Saving time, It enables a quick but powerful refresh during a busy day. And for Churning, it provides a specific "seed" for deeper meditation. May Baba's Divine blessing stay with Highlighted Murli Team in the days to come. TIBSY

Name	Peshori Malhotra
समर्पित?	No
From:	Chicago America
Age of body	82
ज्ञान में	10
HLM कब से	5
Experience:	It gives me. More understanding. Remembrance become easy

Name	BK Amy Karmacharya
समर्पित?	No
From:	Hamilton Canada (I am born in Myanmar I took 7 day course in Bangkok, since 4 years living in Canada)
Age of body	42
ज्ञान में	8 years
HLM कब से	2-3
Experience:	It help me understand more and easy to remembering, pictures help me हाइलाइट की हुई मुरली को पढ़ना और भी आसानी से समझने में मदद करता है। जब हम सभी तस्वीरों और रंगों के साथ देखते हैं, तो हर मुख्य बात स्पष्ट हो जाती है। रंगीन हाइलाइट एक ऐसा सुंदर ज़ोन बना देती है, जो पढ़ने का उत्साह बढ़ाता है और आगे बढ़कर विजय पाने की प्रेरणा देता है। जब मैं मुरली को हिंदी में हाइलाइट मोड में पढ़ती हूँ, तो ऐसा महसूस होता है जैसे जीवन में रंग भर गए हों—समझ और अनुभव दोनों और गहरे हो जाते हैं। हाइलाइट मोड की वजह से मुरली पढ़ना बहुत रोचक हो जाता है। रंगों के साथ मुख्य बिंदु साफ दिखाई देते हैं, इसलिए समझना भी बहुत आसान हो जाता है। यह तरीका मुझे बहुत पसंद आया। 🌸✨ ओम शांति 🙏

If you wish to stay connected, Here is the link

TELEGRAM

WhatsApp

WORLD WIDE WEB

BKdrluhar